Headline

1. Haryana: सूरजमुखी खरीद को लेकर प्रदर्शन तेज, कुरुक्षेत्र में किसानों पर लाठीचार्ज, समर्थन में आए बजरंग पूनिया
2. Biparjoy: अरब सागर में बढ़ रहा चक्रवाती तूफान बिपरजॉय, मानसून और मौसम को कैसे करेगा प्रभावित?
3. Wrestlers Issues: सरकार पहलवानों के साथ उनके मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तैयार, अनुराग ठाकुर ने किया आमंत्रित
4. US: उ. कोरिया के जासूसी उपग्रह पर जताई चिंता, अब खुद स्पाई सैटेलाइट लॉन्च करेगा अमेरिका, इन देशों पर रखेगा नजर
5. Tax Evasion: BBC ने स्वीकारी भारत में 40 करोड़ की आयकर चोरी, सीबीडीटी को पत्र भेजकर कहा- कम चुकाया था टैक्स
6. US: भारत विश्व स्तर पर निभा रहा 'महत्वपूर्ण भूमिका', PM मोदी की अमेरिका यात्रा से पहले अधिकारियों ने दिया बयान
7. Arctic Ocean: 2030 से गर्मियों में महासागर में नहीं होगी बर्फ, वैज्ञानिकों ने लगाया डरावना अनुमान, बताई ये वजह

सगुनु खीरु अवगुन जलु ताता। मिलइ रचइ परपंचु बिधाता।।
भरतु हंस रबिबंस तड़ागा। जनमि कीन्ह गुन दोष बिभागा।।

रामकथा 918-मानस-परमहंस | बेलूर मठ, प. बंगाल | मोरारी बापू

सांध्य दैनिक

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 8 अंक : 328 | इंदौर, बुधवार 07 जून, 2023 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

@ DGR विशेष

नशा बना रहा अपराधी

इंदौर। नशे की लत और महंगे शौक के चलते कई नाबालिग अपराध की दुनिया में कदम रख देते हैं और ये बाल अपराधी चोरी, लूट सहित अन्य वारदातों को अंजाम देने लगते हैं। हाल ही में पुलिस ने कुछ वारदातों में नाबालिग अपराधियों को पकड़ा तो खुलासा हुआ कि नशे की लत को पूरा करने के लिए इन्होंने चोरी, लूट जैसे अपराध किए हैं। इन अपराधियों में लड़कियां भी शामिल हैं।

नशे के सौदागर नई उम्र के लड़कों और नाबालिगों को अपना टारगेट बनाते हुए इनसे दोस्ती कर नशे की लत लगा देते हैं। पहले तो इन्हें मुफ्त में नशा कराया जाता है और जब इसकी लत उन्हें लग जाती है तो पुड़िया के रूप में दिए जाने वाले नशे के रुपए लेने लगते हैं। इसके चलते नशे की लत को पूरा करने के लिए इन्हीं नाबालिगों से चोरी लूट जैसे अपराध कराए जाते हैं। संयोगितागंज पुलिस ने हाल ही में चोरी के मामले में एक गिरोह को पकड़ा तो पता चला कि गिरोह का सरगना साहिल और शैलेंद्र से अपनी स्टाइल में पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि वे नशे के लिए कैफे पर बैठकर बाहर से पढऩे इंदौर आने वाले नाबालिग विद्यार्थियों को टारगेट करते थे। पहले उनसे दोस्ती करते थे और फिर उन्हें फ्री में नशीला पाउडर पिलाकर नशे की लत लगाते थे, जिसके बाद उनके वाहनों से चोरी की घटना को अंजाम देते थे। पुलिस ने ऐसे कई नाबालिगों को उनके परिजनों के सहयोग से नशे की लत से दूर करवाया।

ब्राउन शुगर, चरस, गांजा, अफीम सहित अन्य मादक पदार्थों की तस्करी में आरोपियों के पकड़ाने पर यह बात भी सामने आई है कि कुछ आरोपी इसलिए तस्करी करने लगे कि वे खुद नशा करते हैं और अपनी इस लत को पूरा करने के लिए रुपयों की जरूरत होने पर वे ही नशा बेचने लगे हैं। वे नाबालिगों को इसलिए नशे की लत का शिकार बनाते हैं, क्योंकि ये इनके साफ्ट टारगेट होते हैं और एक बार नशेड़ी बनने के बाद यह वारदात करने में भी पीछे नहीं हटते। वहीं पुलिस के द्वारा पकडऩे पर इन्हें सजा में कम उम्र का लाभ भी मिल जाता है।

मोबाइल लूटने वाली नाबालिगों की गैंग

गत दिनों क्राइम ब्रांच ने मोबाइल लूटने वाली नाबालिगों की गैंग के दो सदस्यों को पकड़ा, जबकि तीन आरोपी फरार हैं। आरोपियों ने एक दर्जन मोबाइल लूटना कबूल किया है। इन लोगों ने कुम्हारखाड़ी के पास गाड़ी खड़ी कर लघुशंका करने जा रहे अनुराग यादव से मोबाइल छीन लिया था। मामले में बाणगंगा थाने में लूट का केस दर्ज हुआ था। आरोपी एक्टिवा से आए थे। क्राइम ब्रांच ने दोनों नाबालिगों को यादव का मोबाइल बेचने के दौरान पकड़ा और मोबाइल भी जब्त कर लिया। दोनों को बाणगंगा पुलिस को सौंपा गया है। बताया जाता है कि आरोपियों के गिरोह में एक किशोरी भी शामिल है। आरोपियों ने बताया कि उनका पांच लोगों का गिरोह है और सभी नाबालिग हैं। ये सभी गांजे का नशा करते हैं और उसके लिए मोबाइल लूटते हैं। एक आरोपी तो 500 रुपए में अपनी एक्टिवा लूट के लिए किराए पर देता था। यह एक्टिवा भी पुलिस ने जब्त कर ली। बाकी आरोपियों की तलाश की जा रही है, ताकि अन्य घटनाओं में लूटे गए मोबाइल बरामद किए जा सकें।

● इसलिए भी बढ़ रहे बाल अपराधी

गंभीर अपराधों को अंजाम देने वाले बाल अपराधी अपने महंगे शौक पूरे करने, गर्लफ्रेंड को महंगे गिफ्ट, मौज मस्ती भरा जीवन जीने व शहर में बढ़ती नशे की लत में फंसने के कारण वारदातों में शामिल पाए गए। दरअसल आज आदमी की दिनचर्या व्यस्त हो गई हैं। जिसमें वह यह नहीं देख पा रहा है कि उनका बच्चा क्या कर रहा है। मोबाइल, टीवी में घटनाएं देखकर बच्चे उसे जल्द अपना लेते हैं और शार्टकट रास्ते से महंगे शौक पूरा करने की कोशिश में अपराधी बन जाता है। देखा गया है कि ऐसे मामलों में अधिकांश मध्यमवर्गीय परिवार के बच्चे होते हैं और ऐसी ही स्थिति रही तो आने वाले समय में स्थिति भयावह हो सकती है।

● बढ़ते बाल अपराध के ये भी कारण

बढ़ते बाल अपराधों के प्रति अभिभावकों को भी जिम्मेंदार माना जा रहा है। अधिक व्यस्तता के कारण अभिभावक बच्चों पर पूरा ध्यान नहीं दे पाते, मोबाइल देकर उसकी निगरानी करना भूल जाते हैं। जिस वजह से बच्चे इसका गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके अलावा संस्कारों की कमीं के कारण भी बच्चे गलत कदम उठा रहे हैं।

ड्रग्स तस्करों के जमानतदारों नाम के पोस्टर लगेंगे

नशा, ड्रग्स को लेकर इंदौर में मचे घमासान पर अंततः प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया। अब ड्रग सप्लाई करते हुए जो भी शख्स पकड़ाता है और उसकी कोई जमानत कराता है, तो उस जमानतदार का नाम सार्वजनिक किया जाएगा। जहां घर है, उसी चौराहे पर उसके नाम का पोस्टर लगाया जाएगा। इसमें जमानत से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक रूप से लिखी जाएगी। इसकी शुरूआत इंदौर से होगी। ऐसा करने का मकसद नशाखोरी को बढ़ावा देने वालों को हतोत्साहित करना है। यह जानकारी गृह मंत्री और इंदौर के प्रभारी मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने गत दिनों जिला योजना समिति की बैठक में दी जानकारी दी। श्री मिश्रा ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के साथ पुलिस की बैठक में ये तय किया है कि ड्रग पेडलर की जमानत जो व्यक्ति देगा, उनका नाम बोर्ड पर लिखकर उसके मोहल्ले में टांगा जाएगा। पहला चरण इंदौर से प्रारंभ हो रहा है। दूसरे चरण में अन्य नाम भी जोड़े जाएंगे।

आसानी से नहीं छूटेंगे ड्रग पेडलर

शहर में नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए लगातार प्रयास हो रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद ड्रग पेडलर्स के हौंसले बुलंद हैं। जमानत पर छूटने के बाद फिर से वो युवाओं को नशा परोसने लगते हैं। ऐसे में अब ये कोशिश की जा रही है कि एक बार पकड़ाने के बाद ड्रग पेडलर आसानी से छूट नहीं सके और जमानत देकर जो लोग उनकी मदद करते हैं, उनके नाम भी सार्वजनिक किए जाएं ताकि समाज को पता चल सके। जमानत देने से पहले लोग सोचे।

सफाई कर्मचारियों का प्रदर्शन : समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन, बोले- समाधान नहीं होने पर करेंगे उग्र आंदोलन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। औद्योगिक नगरी पीथमपुर में सफाई कर्मचारियों की नगरीय प्रशासन से शिकायतें लगातार रहती है। जिसमें समय पर वेतन न मिलना, सरकार की ओर से तय किए गए भत्ते के अनुसार वेतन दिए जाना जैसी इन्ही सभी समयाओं को सफाई मजदूर संघ लगातार अपनी आवाज बुलंद करता आ रहा है। इन्ही समस्याओं को लेकर मजदूर संघ ने थाना सेक्टर 1, तहसील कार्यालय, नगर पालिका पीथमपुर पहुंच ज्ञापन सौंपे।

सफाई कर्मचारियों की मांगे

- वर्तमान में पदस्थ अस्थायी कर्मचारियों को शासकीय रेट पर वेतन भुगतान होना चाहिए।
- ठेका प्रथा मुक्त कराकर नगर पालिका पीथमपुर वेतन दे। इससे ठेकेदार के शोषण से मुक्ति मिल सके।
- अस्थायी सफाई कर्मचारियों को शासन के आदेशानुसार 1 दिसंबर 2016 तक के कर्मचारियों को स्थायी किया जाए। नगरीय प्रशासन विभाग के आदेशानुसार स्थायी करने के नियम है, शीघ्र अस्थायी सफाई कर्मचारियों को स्थाई किया जाए।
- स्थायी कर्मचारियों को शासन की ओर से बड़े हुए वेतन का एरियर बढ़ाकर भुगतान किया जाए
- विनिमित कर्मचारियों की मृत्यु हो जाने के कारण उनके आश्रितों को अनुकंपा दिया जाए।
- राष्ट्रीय सफाई मजदूर संघ को ऑफिस प्रदाय किया जाए, जिससे कर्मचारियों को समस्याओं के समाधान के लिए भटकना ना पड़े।
- मजदूर संघ के अध्यक्ष बलराम चावरे ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 7 दिवस के अंदर मांगे पूरी नहीं होती है, तो समस्त कर्मचारी काम बंद एवं भूख हड़ताल पर चले जाएंगे। यदि हड़ताल के दौरान किसी भी कर्मचारी एवं संगठन के पदाधिकारियों के साथ यदि कोई अनहोनी घटित होती है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी नगर पालिका प्रशासन पीथमपुर की रहेगी।
- हड़ताल के दौरान किसी भी कर्मचारियों का वेतन नहीं काटा जाएगा। इसके दोषी मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रशासन पीथमपुर की है। समस्या का निराकरण नहीं किया गया इस कारण कर्मचारियों को हड़ताल जाना पड़ा। संगठन ने पूर्व में भी प्रशासन को पत्र के माध्यम से अवगत कराया है।

खेतों में काम कर रही महिलाओं तक पहुंचाए जा रहे स्वीकृति पत्र

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। जिले में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत चार लाख 39 हजार 611 महिलाओं द्वारा आवेदन भरे गए हैं। पात्र महिलाओं को 10 जून से एक हजार रुपये डीबीटी के माध्यम से आधार लिंक बैंक खाते में जमा होगें। 11 जून को महिलाएं खातों से राशि निकाल सकेंगी। महिलाओं को स्वीकृति पत्र का वितरण किया जा रहा हैं। शहरों में प्रत्येक घर जाकर स्वीकृति पत्र दिये जा रहे हैं, जबकि ग्राम पंचायतों में खेतों तक स्वीकृति पत्र पहुंचाए जा रहे हैं।

इंदौर जिले में योजना का प्रभावी क्रियान्वयन करते हुए जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में स्वीकृति पत्र वितरित किए जा रहे हैं। जिन महिलाओं को स्वीकृति पत्र मिल रहे हैं, उनके चेहरे पर खुशी का एक अलग ही भाव नजर आ रहा है। इंदौर जिले की महू विकासखंड में आने वाली ग्राम पंचायत सेंडल में मजदूरी करती महिलाओं को उनके खेतों में पहुंचकर स्वीकृति पत्र बांटे जा रहे हैं। ऐसा ही नजारा अन्य जगह भी दिखाई दे रहा है। महिलाएं घर बैठे ही स्वीकृति पत्र मिलने से बेहद खुश हैं। महिलाओं के आधार से लिंक खाते में प्रतिमाह की 10 तारीख को एक हजार रुपये की राशि जमा की जाएगी। जमा राशि महिलाएं दूसरे दिन निकाल सकेंगी।

10 जून को होंगे अनेक आयोजन

10 जून को इंदौर जिले में गांव-गांव तथा शहरी क्षेत्र में वार्डवार कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें सांस्कृतिक कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, भजन आदि कार्यक्रम होंगे। लोकगीत एवं लोकनृत्यों की प्रस्तुतियां भी होंगी। लाड़ली बहना थीम पर महिलाएं जगह-जगह रंगोली बनाकर खुशी का इजहार करेंगी। इसी दिन रात्रि में लाड़ली बहना दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन भी होगा। उत्सव के स्वरूप में लाड़ली बहनें घर-घर दीप जलाएंगी।

विशेष ग्राम सभाए होंगी

8 जून को मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना से संबंधित विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर डॉ. इलैया राजा टी ने बताया कि विशेष ग्राम सभाओं में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की प्रगति की जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही योजना के प्रमुख उद्देश्यों से ग्राम सभा को अवगत कराया जाएगा। ग्राम सभा में योजना के तहत प्राप्त राशि के उपयोग की समीक्षा की जाएगी। साथ ही लाड़ली बहना सेना के दायित्वों से ग्राम सभा को अवगत कराया जाएगा। ग्राम सभा में योजना की अंतिम पात्र महिलाओं की सूची का वाचन भी किया जाएगा।

बीए-बीकाम और बीएससी प्रथम वर्ष की परीक्षाएं 20 जून से, नया शेड्यूल जारी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। कर्मचारियों की हड़ताल के कारण स्थगित हुई स्नातक प्रथम वर्ष और बीबीए-बीसीए छठे सेमेस्टर की परीक्षा को लेकर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने मंगलवार को निर्णय ले लिया। अब बीए, बीकाम और बीएससी प्रथम वर्ष की परीक्षाएं 20 जून और बीबीए-बीसीए छठे सेमेस्टर की 12 जून से करवाई जाएंगी। परीक्षा का नया शेड्यूल विश्वविद्यालय ने मंगलवार को वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है।

हड़ताल के कारण दो चरणों में विश्वविद्यालय ने प्रश्नपत्र आगे बढ़ाए थे। बीए, बीकाम, बीएससी समेत स्नातक प्रथम वर्ष की 27 से 31 मई तक तीन-तीन और 2 से 5 जून के बीच दो-दो प्रश्नपत्र शामिल थे। साथ ही बीबीए-बीसीए छठे सेमेस्टर के 5 से 10 जून तक होने वाले दो-दो प्रश्नपत्र स्थगित किए गए।

विश्वविद्यालय की आपात बैठक में निर्णय

मंगलवार को विश्वविद्यालय ने परीक्षा को लेकर आपात बैठक रखी। स्थगित सारे प्रश्नपत्र की नई तारीख घोषित की। बीबीए-बीसीए की 12 से 21 जून तक परीक्षा चलेगी। इसमें पांच प्रश्नपत्र होंगे। छठे सेमेस्टर की परीक्षा के लिए 20 केंद्र बनाए थे, जबकि स्नातक प्रथम वर्ष की 20 से 29 जून के बीच पांच विषयों की परीक्षा होगी।

दो विषयों की परीक्षा होगी निरस्त

स्नातक प्रथम वर्ष की परीक्षा शुरू होने के दौरान प्रश्नपत्र लीक हो गए थे। विश्वविद्यालय की जांच समिति की पड़ताल में बीकाम के दो विषय के प्रश्नपत्र आउट होना साबित हुआ। इसमें 12 मई का बिजनेस रेगुलेटरी फ्रेमवर्क व 15 मई का बिजनेस आर्गनाइजेशन एंड कम्युनिकेशन प्रश्नपत्र शामिल है। अब इन दोनों प्रश्नपत्र को निरस्त करने की तैयारी चल रही है।

कटाक्ष

नंदलाई घाटी पर घूमते दिखा बाघ : राहगीरों ने मोबाइल में किया कैद, 15 दिन बाद फिर नजर आया मूवमेंट

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। महू मानपुर रोड़ पर आने वाले नंदलाई घाटी पर एक बार फिर बाघ को घूमते हुए देखा गया। तभी यहां से निकल रहे राहगीरों ने बाघ को अपने मोबाइल में कैद कर लिया। करीब 15 दिन बाद महू में एक बार फिर बाघ का मूवमेंट नजर आया।

पिछले दिनों बाघ ने ग्राम मलेंडी में 2 गायों का अलग-अलग दिन शिकार किया था। शिकार के बाद वन विभाग ने मौके पर कैमरे लगाए थे, जिसमें बाघ कैद हुआ था और गाय के आसपास घूमते हुए नजर आया था। उसके बाद अब मंगलवार सुबह एक बार फिर बाघ का मूवमेंट दिखाई दिया, जिसमें बाघ मानपुर रेंज के जंगल में घूम रहा है। बाघ का एक और वीडियो भी सामने आया है, जिसमें बाघ रोड क्रॉस करते हुए दिखाई दे रहा है। यह विडियो लग्नचा भेरू से केलोद रोड का है।

वीडियो वायरल होने के बाद वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्रों में कैमरा लगाए हैं। जंगल के आसपास रहने वाले लोगों को अलर्ट रहने के भी निर्देश दिए हैं।

चैकिंग के बाद भी नहीं थम रहा बिना परमिट के बसों का संचालन, फिर जब्त की एक बस

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। जिले से प्रतिदिन हजारों बसें अन्य शहरों और राज्यों के लिए रवाना होती है। अधिकांश बसें यातायात नियमों को अनदेखा कर संचालित की जा रही है। बस आपरेटर बसों से संबंधित जरूरी कागजात फिटनेस परमिट भी नहीं करवा रहे हैं। यह खुलासा परिवहन विभाग द्वारा की जा रही लगातार कार्यवाही में हो रहा है। विभाग ने चैकिंग अभियान में इंदौर से देवास के बीच चल रही बस को जप्त किया, जो बिना परमिट के संचालित की जा रही थी। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इंदौर एवं संभागीय परिवहन सुरक्षा स्क्वाड इंदौर द्वारा लोक परिवहन वाहनों सहित अन्य वाहनों की जांच के लिए अभियान शुरू किया। अभियान में 300 किमी से अधिक दूरी तक यात्रा करने वाली एवं ओवरनाइट चलने वाली बसों की जांच की गई। बस में दो ड्राइवर की अनिवार्यता और बसों के फिटनेस के भौतिक सत्यापन की विशेष चैकिंग की गई। जांच में 80 से अधिक वाहनों की चैकिंग की गई।

आरटीओ प्रदीप कुमार शर्मा ने बताया कि चैकिंग के दौरान एक बस एमपी41 पी 1855 देवास से इंदौर बिना परमिट के संचालित की जा रही थी। दस्तावेज नहीं होने पर बस को जप्त किया गया। 16 वाहनों पर मोटरयान अधिनियम तथा मध्यप्रदेश कराधान अधिनियम के अंतर्गत कारवाही की गई, जिनसे 52700 जुर्माना वसूला गया।

गुंडे-बदमाशों के लोकेशन पर पहुंची पुलिस

कॉम्बिंग गश्त के दौरान 10 स्थायी वारंटी और हथियार लेकर घूम रहे 13 युवकों को दबोचा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। औद्योगिक नगरी पीथमपुर के सैक्टर 1 थाना में पुलिस ने रविवार सोमवार की रात कॉम्बिंग गश्त करते हुए पेट्रोलिंग की। इस दौरान 10 स्थाई वारंटों को तामिल कर गिरफ्तार किया गया। गश्ती के दौरान पुलिस टीम ने होटलों और ढाबों पर भी चैकिंग की।

जिन स्थानों पर अवैध शराब का विक्रय हो रहा था, वहां से शराब की बोतलों को जब्त करते हुए प्रकरण दर्ज किया गया है। साथ ही आपराधिक रिकॉर्ड धारी और शांतिभंग करने वाले गुंडे और बदमाशों को लेकर भी सघिंन की गई। गश्त के दौरान अवैध हथियार लेकर घूम रहे 13 युवकों को भी हिरासत लिया गया है।

पीथमपुर से कुल 10 स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार किया गया है। टीआई तारेश सोनी भी शहर में गश्त करते रहे। एडिशनल एसपी देवेंद्र पाटीदार ने बताया कि पीथमपुर सहित 23 थाना क्षेत्रों में सघिंन के लिए पुलिस की कुल 70 गाड़ियां सहित कुल 570 पुलिस जवानों का बल शामिल किया गया।

रात में करीब 10 बजे से शुरू हुई गश्त सुबह 5 बजे तक जारी रही। इस दौरान एसडीओपी, सीएसपी सहित स्थानों के प्रभारी इलाकों में सघिंन करते रहे। पुलिस टीम फरार आरोपियों के घर सहित उनके छुपने वाले स्थानों पर पहुंची। रातभर पुलिस की गाड़ियां शहर के ग्रामीण क्षेत्रों में दौड़ती रही।

Confidential
Investigation &
All type of
Detective Services

DETECTIVE GROUP

+91-91110 50101

★ Spousal (or) Pre-Matrimonial check
★ Post-Marital Check
★ Individual Character (Personal Cases)
★ Missing Persons Investigation
★ Financial Services Industry
★ Background Investigation
★ Attomeys& Legal Services
★ Investigation (Audio / Video)
★ Bussiness Partners, Bussiness & Corporate
★ Real Estate Fraud Investigation
★ Corporate & Financial Investigation Services
★ Spousal (or) Matrimonial Affair During Divorce of Spouse
★ Human Resource Professionals Investigation / Shadowing
★ Individual Clients Missing / Kidnapped
★ Background Investigation
★ Criminal Record Check
★ Cyber Fraud Investigation
★ Forensic Investigation & Documents, Handwriting Check

पूर्ण गोपनीयता...पूर्ण विश्वसनीयता
www.detectivegroup.in

मुख्यमंत्री श्री चौहान की पहल

युवाओं को पर्यटन क्षेत्र में भी मिलेंगे रोजगार के अवसर

800 से अधिक संस्थाओं में 4 हज़ार से अधिक युवा होंगे लाभान्वित

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। पर्यटन क्षेत्र में रोजगार की संभावना और स्टार्टअप शुरू करने का सपना संजोए युवाओं के लिए एक अच्छी खबर है। मुख्यमंत्री सीखों-कमाओं योजना में पर्यटन विभाग प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर लाया है।

पर्यटन के क्षेत्र में कार्य करने वाली 800 से अधिक संस्थाओं ने प्रदेश के 4 हज़ार से अधिक युवाओं को इस योजना में लाभ देने की पहल की है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के विज़न अनुरूप योजना प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अवसर और प्रदेश की अर्थ-व्यवस्था को सुदृढ़ करने का श्रेष्ठ माध्यम है।

बड़े होटल और संस्थान से जुड़ने का अवसर

पर्यटन विभाग में सीखने वाले युवाओं को देश और प्रदेश के बड़े होटल और संस्थान से जुड़ने और काम करने का सुलभ अवसर मिलेगा। क्रिसेंट स्पा एंड वाटर पार्क इंदौर, होटल ताज भोपाल, ओरछा पैलेस ओरछा, सीएआरडी भोपाल, लेक सिटी इंटरटेनमेंट, ट्रैवल इंडिया टूरिज्म, ध्रुव एडवेंचर, होटल रिडीशन भोपाल सहित विभिन्न प्रसिद्ध होटल और संस्थान प्रदेश के युवाओं को प्रशिक्षित करेंगे।

होटल, टूर ट्रेवल्स और पर्यटन गतिविधियों में सीखने का मौका

मुख्यमंत्री सीखों कमाओं योजना में प्रदेश के प्रतिष्ठित होटल, टूर एंड ट्रैवल एजेंसी सहित पर्यटन के विभिन्न क्षेत्रों में सीखने और रोजगार के अवसर मिलेंगे। होटल में बेलबॉय, मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव, फ्रंट ऑफिस, किचन एसिटेंस, हाउस कीपिंग, सिक्योरिटी, गार्डनिंग संबंधी स्किल टूर एंड ट्रैवल मे रिसेप्शनिस्ट, अकाउंट, पियून और सोशल मीडिया मार्केटिंग संबंधी स्किल सीखने और रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। साथ ही मीडिया एंटरटेनमेंट, मार्केटिंग, ऑडियो वीडियो प्रोडक्शन, एडवेंचर एक्टिविटीज आदि के क्षेत्र में सीखने का अवसर मिलेगा।

स्व-रोजगार और स्टार्टअप शुरू करने में मिलेगी मदद

योजना में युवाओं की न सिर्फ स्किल में वृद्धि होगी। बल्कि उनका आत्म-विश्वास भी बढ़ेगा। साथ ही साथ पर्यटन के क्षेत्र में स्टार्ट अप जैसे सिक्योरिटी एजेंसीज, एडवेंचर एक्टिविटीज एजेंसी जैसी संस्थाएं खोलने के लिए प्रेरक का कार्य करेगी।

फर्जी तरीके से कांस्टेबल बने देवेंद्र रघुवंशी, सात साल की हुई सजा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। भोपाल में फर्जी तरीके से कांस्टेबल बने देवेंद्र रघुवंशी को सीबीआई कोर्ट ने सात साल की सजा सुनाई है। साथ ही 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। विशेष न्यायाधीश सीबीआई नीतिराज सिंह सिसोदिया ने सुनवाई के दौरान विशेषज्ञ साक्षियों के कथन और पाए गए तथ्यों के आधार पर आरोपी को दोषी को पाया गया। देवेंद्र रघुवंशी नर्मदापुरम के कुमावड़ थाना स्टेशन रोड का रहने वाला है। दरअसल व्यापम द्वारा आयोजित आरक्षक भर्ती परीक्षा-2023 में देवेंद्र रघुवंशी चयनित हुआ था। उसके खिलाफ साल्वर बैठाकर परीक्षा पास करने की शिकायत एसटीएफ भोपाल को प्राप्त हुई थी। शिकायत की जांच के बाद आरोप सही पाए गए। जिसके बाद आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया था। जांच के बाद आरोपी के विरुद्ध चालान कोर्ट में पेश किया गया था।

रोगियों को दिए 50 हजार से ज्यादा औषधीय पौधे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश में आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार के लिए आयुष विभाग ने पहली बार अनूठा प्रयोग किया। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश के प्रत्येक विकासखंड में 18 मई से पांच जून के बीच आयोजित किए गए स्वास्थ्य शिविरों में रोगियों को औषधीय महत्व के पौधे बांटे गए, जिससे वे आयुर्वेद के प्रति जागरूक हों। उन्हें इन पौधों का औषधीय महत्व भी बताया गया। स्वास्थ्य शिविरों में रोगियों को तुलसी, अश्वगंधा, गिलोय, कालमेघ, एलोवेरा आदि के पौधे भेंट किए गए। बता दें कि कोरोना संक्रमण के बाद लोगों में भी औषधीय पौधों के प्रति रुचि बढ़ी है।जानकारी के अनुसार विशेषकर प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले पौधे जैसे गिलोय आदि को लोग अपने घर में लगाना चाहते हैं। इस कारण आयुष विभाग ने यह काम किया है।जानकारी के अनुसार शिविर में गैर संचारी रोग जैसे ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, कैंसर की स्क्रीनिंग समेत ज्यादातर बीमारियों का उपचार किया गया। इसके साथ ही गंभीर बीमारियों की जांच के लिए रोगियों को बड़े संस्थान में रेफर किया गया। पहली बार एक साथ सभी विकासखंडों में शिविर आयोजित किया गया था।

शिवराज सिंह ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को दी बधाई

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सूरीनाम के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'ग्रैंड आर्डर ऑफ द चैन ऑफ द येलो स्टार' से सम्मानित किये जाने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि श्रीमती मुर्मू को मिला यह सम्मान 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है। यह सम्मान भारत और सूरीनाम दोनों देशों के बीच संबंधों को नई पहचान देगा। निश्चित ही यह सम्मान सद्भावना और परस्पर सहयोग को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और द्विपक्षीय सहयोग के मार्ग खुलेंगे।

फेरे लेने के बाद पेपर देने पहुंची दुल्हन, विदाई तक दूल्हा करता रहा इंतजार...

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सतना। समाज मे शिक्षा का महत्व अब दिखने लगा है. लोग बालिका शिक्षा के साथ-साथ महिलाओं को स्वावलंबी बनने प्रेरित करते नजर आ रहे हैं. सतना में भी आज ऐसा ही नजारा देखने को मिला जहां पूरी बारात ने बहू की परीक्षा देने तक विदाई का इंतजार किया. दुल्हन शादी की ड्रेस पहने परीक्षा में शामिल हुई तो दूल्हा परीक्षा से सेंटर के बाहर इंतजार करता रहा. बता दें कि दुल्हन की बीएड फाइनल ईयर की परीक्षा थी. शिक्षा के महत्व का इससे अच्छा नजारा शायद देखने को मिलता हो. एक दुल्हन शादी के जोड़ा पहने परीक्षा देने पहुंची और साथ मे दूल्हा भी था जो शेरवानी पहने था.अन्य परीक्षार्थी भी चौके मगर सभी को जल्द एहसास हो गया कि दुल्हन की भी नई जिंदगी की शुरुआत से पहले एक और परीक्षा अधूरी थी वो थी बीएड की. शादी के सात फेरे खत्म करने के बाद दुल्हन परीक्षा दी और फिर घर आकर डोली में बैठ पिया के घर निकली. सतना शहर के पतेरी साई बाबा मैरिज गार्डन ने सतना निवासी नमिता अवधिआ और बिलौधा गांव निवासी हिरेन्द अवधिया की पांच जून को शादी थी। धूम-धाम के साथ दोनों की शादी हुई. विवाह संपन्न हो गया लेकिन वर पक्ष को पता चला कि नवेली बहु की परीक्षा है. लिहाजा पूरी बारात ने तय किया परीक्षा के बाद विदाई होगी. ससुराल की शुभकामना के साथ दुल्हन परीक्षा देने पहुंची तब तक बारात इंतज़ार करती रही और वापस आने के बाद नमिता अपने पति हीरेन्द के साथ ससुराल बिलौधा गांव के लिए विदा हुई. बारात पक्ष और मायके पक्ष ने महिला शिक्षा और स्वाबलंबन की मिसाल पेश की.

साध्वी प्रज्ञा ठाकुर ने जिस लड़की को द केरल स्टोरी दिखाई, वह घर से भागकर युसूफ के साथ रहने लगी

भोपाल। लव जिहाद पर बनी फिल्म द केरल स्टोरी को लेकर मचा सियासी बवाल अब तक शांत नहीं हुआ कि नया मामला सामने आ गया। भाजपा के कई नेताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों के साथ यह फिल्म देखी। उन्हें फ्री में दिखाई भी। भोपाल में सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने जिन छात्राओं को फिल्म दिखाई, उन पर ही द केरल स्टोरी का कोई असर नहीं हुआ।

19 साल की एक युवती शादी से ठीक पहले घर छोड़कर भाग गई और अब अपनी मर्जी से किसी युसूफ नामक शख्स के साथ रह रही है। मामला भोपाल का है। साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने नर्सिंग की छात्रा को सलाह भी दी थी कि वह उस युवक से दूर रहे। इसके बाद भी उस पर कोई असर नहीं हुआ। छात्रा की 30 मई को शादी होनी थी। अब उसके परिजन बेहाल है क्योंकि युवती अपने साथ कैश और जेवरात भी लेकर गई है। परिजनों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि युसूफ आपराधिक प्रवृत्ति का है। हालांकि, युवती को जब पुलिस ने तलाश लिया तो उसने सीधे-सीधे कह दिया कि वह तो युसूफ के साथ ही रहेगी। युवती के पिता का कहना है कि उनकी बेटी को बहलाया-फुसलाया गया है। युसूफ ने युवती के नाम पर लोन ले रखा है। उस पर पहले से पांच-छह केस दर्ज है। ऐसे में युवती को उसके साथ रहने की अनुमति कैसे दी जा सकती है। लड़की 18 साल की हो चुकी है। इस वजह से अपने फैसले खुद ले सकती है। ऐसे में पुलिस की भी अपनी कानूनी सीमा है, जिसका वह पालन कर रही है।

विधानसभा का आगामी मानसून सत्र 10 जुलाई से, अधिसूचना जारी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश की 15वीं विधानसभा का 15वां मानसून सत्र 10 जुलाई को प्रारंभ होगा। पांच दिवसीय सत्र 14 जुलाई तक चलेगा। राज्यपाल मंगु भाई पटेल की स्वीकृति के बाद मध्य प्रदेश विधानसभा सचिवालय ने अधिसूचना मंगलवार को जारी कर दी।विधानसभा के प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि 10 जुलाई से आरंभ होने वाले पांच दिवसीय सत्र में कुल पांच बैठकें होंगी। सत्र के दौरान शासकीय कार्य संपादित किए जाएंगे। बता दें इस सत्र में सरकार वर्तमान वित्तीय वर्ष का प्रथम अनुपूरक बजट प्रस्तुत करेगी। साथ ही ऑनलाइन जुआ पर नियंत्रण के लिए संशोधन विधेयक प्रस्तुत कर सकती है।

पिछड़ा वर्ग की विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति में इस वर्ष 22 करोड़ का प्रावधान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति में इस वर्ष 22 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। यह योजना पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिये विदेश में भी शिक्षा के पर्याप्त अवसर सुनिश्चित करने के लिये संचालित की जा रही है। मुख्य रूप से अमेरिका, इंग्लैंड सहित अन्य यूरोपीय देशों के विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिये विद्यार्थियों को मदद दी जा रही है। पिछड़ा वर्ग के चयनित विद्यार्थियों को विदेशों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों, पीएचडी एवं अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने के लिये विभाग द्वारा आर्थिक मदद प्रदान की जाती है। योजना में प्रतिवर्ष पिछड़ा वर्ग के 50 विद्यार्थी को विदेश में अध्ययन के लिये अवसर दिये जाते हैं। विभाग द्वारा वर्ष 2022-23 में करीब 8 करोड़ रूपये की राशि फीस प्रतिपूर्ति के रूप में व्यय की गई।

MORARI BAPU

परिवार के समस्त सदस्य आपके अनुकूल हो जाएं यह आपके अधिकार की बात नहीं है। लेकिन आप सब के अनुकूल हो जाएं यह आपके अधिकार की बात है।

सत्य-प्रेम-करुणा...

साभार - Chitrakutdham Talgajarda

व्यक्तित्व विशेष

बासप्पा दानप्पा जत्ती

(जन्मः 10 सितम्बर, 1912 ; मृत्यु- 7 जून, 2002) को श्री फ़ख़रुद्दीन अली अहमद की मृत्यु के बाद कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में नियुक्त किया गया था। यह भारतवर्ष के निर्वाचित राष्ट्रपति नहीं थे। अतः इन्हें कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में ही सम्बोधित किया जाता है। भारतीय संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार उपराष्ट्रपति को कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाए जाने की व्यवस्था है, यदि किसी भी कारणवश राष्ट्रपति का पद रिक्त हो जाए। फ़ख़रुद्दीन अली अहमद की मृत्यु के समय बी.डी जत्ती देश के उपराष्ट्रपति पद पर थे। कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में इनका कार्यकाल 11 फ़रवरी 1977 से 25 जुलाई 1977 तक रहा। इस दौरान इन्होंने अपना दायित्व संवैधानिक गरिमा के साथ पूर्ण किया।

संपादकीय

विकसित देशों के मुकाबले ज्यादा संवेदनशीलता से काम

गरीब देशों को अभी अपने नागरिकों की जरूरतें पूरी करने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास की जरूरत है, इसलिए उनसे उम्मीद बाद में की जाए। हालांकि इसके बावजूद गरीब और विकासशील देशों ने अपनी ओर से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में विकसित देशों के मुकाबले ज्यादा संवेदनशीलता के साथ काम किया है। अब विकासशील देशों में भी जलवायु को लेकर बहस जोर पकड़ चुकी है कि अगर समस्या के गहराते जाने में उनकी भूमिका अपेक्षया काफी कम है तो उन्हें मुख्य जिम्मेदार क्यों बताया जा रहा है। इसलिए स्वाभाविक ही इसी संदर्भ से प्रतिक्रियाएं भी आ रही हैं। यही वजह है कि भारत के प्रधानमंत्री ने भी विकसित देशों को आईना दिखाया है। उन्होंने साफतौर पर कहा कि गरीब और विकासशील देश कुछ विकसित देशों की 'गलत नीतियों की कीमत चुका रहे हैं। हालांकि भारत पहले भी जलवायु परिवर्तन की गहराती समस्या के मुद्दे पर दुनिया में अपना स्पष्ट पक्ष रखता रहा है, लेकिन अगर आज भी यह सवाल बना हुआ है तो विकसित देशों को अपने रुख पर विचार करना चाहिए। बिगड़ते पर्यावरण के लिए कौन जिम्मेदार है? यह सही है कि पिछले कुछ दशकों के दौरान जलवायु परिवर्तन या बढ़ते तापमान से जुड़ी चिंताएं गहराती गई हैं। क्योंकि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले कारकों पर बातें तो खूब हुई हैं, मगर उन पर रोक के लिए जो उपाय सामने आते रहे, उन पर अमल की जिम्मेदारी दुनिया के गरीब और विकासशील देशों पर ही थोप दी गई। जबकि पर्यावरण के बिगडऩे में जिन कारकों की मुख्य भूमिका रही, उसमें सबसे ज्यादा भागीदारी विकसित और धनी देशों की रही है। दशकों से यह तथ्य जगजाहिर रहा है कि विश्व के विकसित देशों में विकास के समूचे पैमाने में पर्यावरण की रक्षा कोई सवाल नहीं था और अगर कुछ था भी तो वह विरोधाभासी था। इसमें अकेला जोर इस बात पर दिया गया कि विकास पहले है, पर्यावरण का सवाल बाद में। अगर इस पैमाने में धरती की आबोहवा को गहरा नुकसान पहुंचा, तो उसकी जिम्मेदारी किस पर जाएगी और क्या उसकी भरपाई इतनी आसान होगी? विडंबना यह है कि सालों से इस मसले पर होने वाले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में विकासशील देशों की ओर से ऐसे सवाल उठाए जाते हैं कि ग्रीनहाउस गैसों या फिर कार्बन डाइआक्साइड के उत्सर्जन के लिए चूंकि विकसित और धनी देश ही मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं, इसलिए इसमें कटौती के लिए पहले ही उनकी ओर से ही ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

अर्ज़ किया है..!

हम आप क़यामत से
गुज़र क्यूँ नहीं जाते
जीने की शिकायत हैं तो
मर क्यूँ नहीं जाते

-महबूब ख़िज़ां

ज्ञान-विज्ञान

लाखों साल पुरानी झील बनी वैज्ञानिकों के लिए रहस्य

यहां आसमान पर साल के 300 दिन कड़कती है बिजली!

दक्षिणी अमेरिकी देश वेनेजुएला की मैराकाइबो झील के बारे में यूरोपियन स्पेस एजेंसी ने माना कि ये दुनिया की सबसे पुरानी झीलों में से है, जो शायद 35 मिलियन साल पहने बनी हो. आम झीलों से काफी बड़ी ये झील साढ़े 13 हजार वर्ग किलोमीटर में फैली हुई है. वैज्ञानिक मानते हैं लाखों वर्षों में इसका पानी और तली कई बार बदलावों से गुजरी होगी. क्या इसी दौरान तलहटी में कुछ ऐसा जमा हुआ है, जिसने इस जगह को दुनिया की सबसे ज्यादा बिजली चमकने वाला स्थान बना दिया. इसका जवाब फिलहाल किसी के पास नहीं है.

हर मिनट इतनी बार चमकती है बिजली

अमेरिकन मेटेरोलॉजिकल सोसायटी ने नवंबर 2016 में एक स्टडी में पाया कि मैराकाइबो झील में सालभर में लगभग 297 दिनों तक लगातार हर मिनट करीब 25 से 40 बार बिजली चमकती है. ये रोशनी इतनी ज्यादा होती है कि लोकल लोग रात में पढ़ाई-लिखाई जैसे काम भी कर पाते हैं. इससे पहले अफ्रीका के कांगो बेसिन के पास ये दर्जा था. दुनिया की कई पहाड़ी और पानी वाली जगहों के बारे में देशों ने अपने-अपने दावे किए, लेकिन आखिरकार माना गया कि बिजली चमकने के मामले में वेनेजुएला की इस झील के आसपास भी कोई नहीं.

झील से डरा करते थे लोकल्स

सबसे पहले 16वीं सदी में स्पेनिश सैलानी अमेरिको वेस्पकी ने इस जगह की खोज की. हालांकि स्थानीय लोग तब भी इस जगह से परिचित थे, लेकिन खौफ की वजह से कोई भी आसपास रहने से डरता था. लोकल लोग मानते थे कि ये कुदरती नहीं, बल्कि इसमें भूत-प्रेत जैसी किसी चीज का हाथ है. लगभग 3 सौ सालों बाद यहां आबादी बसने लगी. दूर नहीं, बल्कि झील के बिल्कुल किनारे-किनारे. जो लोग पहले झील को रहस्यमयी मानते और डरते थे, अब वही उनके लिए रोजगार लेकर आई.

टूरिज्म बढ़ चुका

अजीबोगरीब देखने के शौकीन पर्यटक यहां पर बिजली चमकना देखने आते हैं. इसे लाइटनिंग टूरिज्म कहा जाता है. पर्यटक सितंबर से नवंबर के दौरान आते हैं, जब बिजली पूरे दिन, पूरी रात चमकती है. वे झील के किनारे बने छोटे-छोटे घरों में रहते और इस अनुभव को जीते हैं. कई बार ये आकाशीय बिजली गिरती भी है. ऐसे में टूरिस्ट्स को खास सावधानी बरतनी होती है. हालांकि अक्सर लोकल मछुआरे इसकी चपेट में आ जान गंवा बैठते हैं.

क्यों चमकती रहती है बिजली

इसके पीछे कई थ्योरीज हैं. कुछ साइंटिस्ट मानते हैं कि सालभर बिजली का चमकना असल में नमी, तापमान और स्थान की वजह से है. झील के दक्षिण की तरफ एंडीज पर्वत है, जबकि उत्तर में कैरेबियन सागर है. पहाड़ों से चलने वाली ठंडी हवा समुद्र की तरफ से आती गर्म और नम हवा से टकराती है. ये बिजली बनने के लिए आदर्श स्थिति है.

बहुत से वैज्ञानिक इस थ्योरी को नकारते हैं. उनका कहना है कि लाखों सालों के दौरान झील में कई सारे बदलाव हुए, जिससे उसके तल में मीथेन गैस जमा हो गई. जब ये गैस ऊपर की ओर उठकर वातावरण की गैस से मिलती है, तब ऐसा होता है.

इसके रहस्य को समझने के लिए कई प्रयोग हो रहे हैं. कुछ समय पहले साइंटिफिक मॉडलिंग सेंटर ऑफ यूनिवर्सिटी ऑफ जूलिया ने एक मॉनिटरिंग सिस्टम बनाने की कोशिश की ताकि झील के ऊपर हो रहे आकाशीय बदलाव को समझा जा सके. वर्ल्ड मेटेरोलॉजिकल डिपार्टमेंट भी इसका हिस्सा है, जो सेंसर, बैलून जैसी चीजों के जरिए इसकी लगातार जांच कर रहा है.

Highlights

1. Kerala gets India's first state-run internet service provider
2. Delhi's Sarita Vihar flyover to be closed for 50 days for repairs
3. IAS officer's house raided in corruption case in Tamil Nadu
4. Train accident involving Rajdhani Express averted in Jharkhand
5. Destruction of dam will not stop Ukraine: Ukrainian Prez Zelenskyy
6. 16-yr-old jailed for drawing 'Hitler moustache' on Erdogan's poster in Turkey: Reports

Indian brothers, fighting fraud charges at home, flourishing in Nigeria

NEW DELHI, (Agency). At a ceremony in November, the Nigerian government celebrated the discovery of as many as 1 billion barrels of oil in the country's arid northeast, almost 1,000 kilometers (621 miles) away from the crude-rich Niger Delta.

The state's partners in the multi-billion dollar project in the impoverished, landlocked corner of the country is a company founded by two brothers from India. The siblings have built the largest independent oil company in Africa's biggest crude producing nation even as India pursues them as criminals — accusing them of perpetrating "one of the largest economic scams in the country."

Now, as newly elected President Bola Tinubu sets ambitious targets for Nigeria's hydrocarbons sector, companies created by the brothers, Nitin and Chetan Sandesara, seem poised for an increasingly prominent role — especially as international oil giants such Shell Plc and ExxonMobil Corp. retreat from the West African country. "This discovery will provide a multiplicity of opportunity and great prosperity for Nigeria," Tinubu said at the November event. Sworn in on May 29, he was the ruling party's presidential candidate at the time. The selection of a firm owned by the family of the duo branded as fugitives by India to drill wells for the project is just the latest sign of how Nigeria has provided the brothers a haven, effectively insulating them from troubles back home. Indian Prime Minister Narendra Modi's government has accused the tycoons of absconding after defrauding public banks of more than $1.7 billion. Nigeria has refused India's request to extradite them. The Sandesara brothers, Gujarati businessmen who left India in 2017, deny cheating their lenders and say they are victims of political persecution. Having ventured into the Nigerian oil industry almost 20 years ago when they won two onshore licenses in the delta, the brothers — faced with problems in India — have shifted their focus to Lagos.

PhonePe begins account aggregator services: All you need to know

NEW DELHI, (Agency). Fintech major PhonePe on Tuesday launched its account aggregator (AA) services. In a statement, co-founder and CTO Rahul Chari said that the AA network 'sets the stage for a new era of digital connectivity.'

"This will empower users to access and control their own financial data, revolutionising the way they engage with financial services. Individuals can now harness the power of their own information to make informed financial decisions and unlock a world of opportunities," CNBC TV18 and Moneycontrol quoted Chari as saying, citing the PhonePe media statement.

Here is all you need to know about PhonePe's Account Aggregator services:

(1.) Launched through PhonePe Technology Services Private Limited (PTSPL), the company's wholly-owned subsidiary, the facility allows

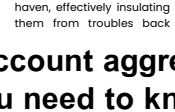

customers to share all their financial data with regulated financial institutions (RFIs).

(2.) The financial data includes bank statements, insurance policy, tax filings, etc. These are used for purposes such as loan applications, new insurance, investment advice, and more.

(3.) Also, people can pause or revoke any ongoing data consent. This can be done directly through the PhonePe website or the app.

(4.) To provide the AA services, PTPSL has already tied up with YES Bank, Federal Bank, AU Small Finance Bank and several other financial information providers (FPIs). More FPIs are likely to be integrated before the end of the month.

New Delhi

प्रदूषण की राजधानी, एयर पलूशन वाले दुनिया के टॉप 20 शहरों में 15 भारत के

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली समेत कई शहरों में वायु प्रदूषण चिंता का मसला रहा है। दिल्ली और एनसीआर के शहरों में तो हर साल ही सर्दियों के दौरान कुछ दिन दमघोंटू होते रहे हैं। इस बीच एक रिपोर्ट आई है, जिससे भारत के शहरों में वायु प्रदूषण की गंभीरता पता चलती है। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया के जो सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर हैं, उनमें 15 शहर अकेले भारत के ही हैं। यहीं नहीं बाकी 5 शहर जो हैं, उनमें 3 पाकिस्तान के ही हैं। इस तरह दक्षिण एशिया में ही दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों के टॉप 20 शामिल 18 शहर हैं।

स्विस एयर क्वॉलिटी टेक्नॉलजी कंपनी आईक्यू एयर की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की राजधानी लाहौर है। दुनिया के सबसे प्रदूषित देशों की लिस्ट की बात करें तो भारत 8वें नंबर पर है। वहीं सबसे ज्यादा प्रदूषित 5 देशों में पहले स्थान पर चाड, दूसरे इराक और तीसरे पाकिस्तान है। चौथे नंबर पर बहरीन और 5वें पर भारत का ही पड़ोसी देश बांग्लादेश है। इस रिपोर्ट के मुताबिक चाड का शहर एनजामेना दुनिया का 8वां सबसे प्रदूषित शहर है। चीन का होतन शहर प्रदूषण के मामले में दुनिया में दूसरे नंबर पर है, जबकि भारत का भिवंडी तीसरे नंबर पर है।

Rajasthan

लड़की को अगवा कर ले गया जंगल, गोद में उठाकर लिए फेरे, अब गर्माई राजनीति

जैसलमेर, (एजेंसी) राजस्थान के जैसलमेर में एक युवक जबरदस्ती लड़की को उठाकर अपने साथ ले गया और जंगल में आग जलाकर सात फेरे ले लिए. इस दौरान जब लड़की शादी के लिए तैयार नहीं हुई तो उसे गोद में उठाकर बदमाश ने फेरे पूरे कर लिए. घटना का वीडियो सामने आने के बाद इस पर राजनीति शुरू हो गई है.

सभी आरोपियों के नहीं पकड़े जाने को लेकर युवती के परिजनों ने कलेक्टर ऑफिस के बाहर प्रदर्शन किया था. अब इस पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने ट्वीट कर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है.

मेघवाल ने घटना के वीडियो को ट्वीट करते हुए लिखा, 'राजस्थान में कांग्रेसी जंगलराज कायम है.' बता दें कि घटना मोहनगढ़ थाना के सांखला गांव की है जहां 1 जून को युवती की सगाई तोड़कर किसी और जगह शादी तय करने पर युवक ने उसे किडनैप कर लिया. फिल्मी स्टाइल में युवक उसे उठाकर जबरन जंगल में ले गया और आग जलाकर जबरन सात फेरे ले लिए. इस दौरान वीडियो में लड़की के रोने की आवाज भी आ रही है. शादी के बाद फरार चल रहे आरोपियों तक पुलिस नहीं पहुंच पाई है. हालांकि पुलिस ने युवती के साथ जबरन फेरे लेने वाले मुख्य आरोपी को जरूर पकड़ लिया है. सभी आरोपियों के नहीं पकड़े जाने से नाराज युवती के परिजनों और ग्रामीणों ने सोमवार को कलेक्टर ऑफिस के बाहर उग्र प्रदर्शन किया और अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा. परिजनों की मांग है कि युवती को किडनैप करने वाले लोग खुलेआम घूम रहे हैं और फिर से अगवा करने की धमकी दे रहे हैं. परिजनों के मुताबिक आरोपियों ने युवती के साथ जंगल में जबरन फेरे लेने का वीडियो जानबूझकर वायरल कर दिया।

Uttarpradesh

बाथरूम में घुसकर पत्नी को मारी 7 गोलियां, बहू को भी दौड़ाया, आगरा में खौफनाक वारदात

आगरा, (एजेंसी) आगरा के सदर इलाके में खौफनाक वारदात को अंजाम दिया गया है। सीआरपीएफ से वीआरएस लेने वाले एक पूर्व सैनिक ने अपनी ही पत्नी की ताबड़तोड़ फायरिंग कर हत्या कर दी। बाथरूम के अंदर पत्नी को सात गोलियां मारकर छलनी कर दिया। गोली की आवाज सुनकर पहुंची बहू को भी मारने के लिए दौड़ाया। उसने खुद को कमरे में बंद कर बचाया। वारदात को अंजाम देकर परिचितों के यहां पहुंच गया। परिचितों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी और उसे पुलिस के सुपुर्द कर दिया। बताया गया है कि महेंद्र सिंह राठौर ने सीआरपीएफ से वीआरएस लिया था। इसके बाद वह एक बैंक में गार्ड की नौकरी कर रहे थे। दो बेटे हैं। एक शादीशुदा है, जबकि दूसरा छोटा है। बड़े बेटे का एक्सीडेंट हो गया था। इस पर छोटा बेटा उसे लेकर अस्पताल गया था। पुत्रवधू पहली मंजिल पर कमरे में काम कर रही थी। बताया जाता है कि महेंद्र सिंह ने पत्नी नीतू पर बाथरूम के अंदर बंदूक से ताबड़तोड़ फायर किए।

Gujrat

PM मोदी की डिग्री पर घिरे केजरीवाल को अदालत से बुलावा, क्यों नहीं जाएंगे दिल्ली के CM

अहमदाबाद, (एजेंसी) पीएम मोदी की डिग्री से जुड़े मानहानि केस में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और राज्यसभा सांसद संजय सिंह को आज अहमदाबाद कोर्ट में तलब किया गया था। हालांकि, आम आदमी पार्टी (आप) के दोनों नेता कोर्ट में पेश नहीं होंगे। आप की गुजरात यूनिट की ओर से एक आवदेन दायर करके उन दस्तावेजों की मांग की जाएगी जिसके आधार पर केजरीवाल और सिंह को मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट में तलब किया गया था। पीएम मोदी की डिग्री को लेकर कथित अपमानजनक बयानों के खिलाफ गुजरात यूनिवर्सिटी ने याचिका दायर की थी। गुजरात 'आप' लीगल सेल के प्रमुख प्रणव ठक्कर ने कहा कि दोनों नेता बुधवार को कोर्ट में पेश नहीं होंगे, बल्कि एक आवदेन दायर करके केस से जुड़े दस्तावेजों की मांग की जाएगी। ठक्कर ने कहा, 'हमें समन की एक कॉपी मिली है। हम उन दस्तावेजों की मांग करेंगे जिनके आधार पर मुकदमा किया गया है।

खेल

एशिया कप से बाहर हो सकता है पाकिस्तान

श्रीलंका-अफगानिस्तान और बांग्लादेश ने PCB को दिया झटका

नई दिल्ली, (एजेंसी) पाकिस्तान इस साल होने वाले एशिया कप से अपना नाम वापस ले सकता है। दरअसल, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) उम्मीद कर रहा था कि उसे उसके प्रस्तावित 'हाईब्रिड मॉडल' के मामले में श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से समर्थन मिलेगा। हालांकि, इन तीनों देशों के क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान के 'हाइब्रिड मॉडल' को नकार दिया। ऐसे में पाकिस्तान इस टूर्नामेंट से नाम वापस लेने पर विचार कर रहा है। इस साल एशिया कप सितंबर में वनडे फॉर्मेट में हो सकता है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख नजम सेठी द्वारा प्रस्तावित 'हाइब्रिड मॉडल' के अनुसार, पाकिस्तान को अपने देश में एशिया कप के तीन से चार मैचों का आयोजन करना था, जबकि भारत से जुड़े बाकी मैचों को तटस्थ स्थान पर आयोजित करने का प्रस्ताव रखा गया था। सुरक्षा चिंताओं के कारण भारत ने पाकिस्तान की यात्रा करने से इनकार कर दिया था। वहीं, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान सभी ने टूर्नामेंट को पाकिस्तान से बाहर करने के लिए बीसीसीआई के विचार का समर्थन किया है।

सूत्रों ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया- इस महीने के अंत में एशियाई क्रिकेट काउंसिल के कार्यकारी बोर्ड के सदस्य एक औपचारिक मीटिंग कर सकते हैं। हालांकि, पीसीबी अब इस बात से अवगत है कि श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान एशिया कप के लिए उनके हाइब्रिड मॉडल प्रस्ताव का समर्थन नहीं करने जा रहे हैं।

सूत्र ने कहा कि सेठी पहले से ही अपनी क्रिकेट मैनेजमेंट कमेटी के सदस्यों और संबंधित सरकारी अधिकारियों के साथ एशिया कप में पाकिस्तान के रुख पर चर्चा करने के लिए संपर्क में थे। वह इन सबसे यह जानने की कोशिश में थे कि अगर उन्हें अपने देश में एशिया कप के किसी भी मैच की मेजबानी नहीं मिलती है तो पाकिस्तान क्या फैसला लेगा। सेठी ने बार-बार कहा है कि अगर टूर्नामेंट को पाकिस्तान से किसी तटस्थ देश में ले जाया जाता है, तो वह प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लेगा। सूत्र ने कहा कि पीसीबी एशिया कप का बहिष्कार करेगा।

एशिया क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के एक सूत्र ने कहा- पाकिस्तान के पास केवल दो विकल्प हैं। टूर्नामेंट को तटस्थ स्थान पर खेलें या नाम वापस ले लें। अगर पाकिस्तान नहीं खेलता है, तब भी इसे एशिया कप कहा जाएगा, लेकिन ब्रॉडकास्टर पाकिस्तान की अनुपस्थिति में सौदे पर फिर से बातचीत करेगा।

श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और भारत, सभी का रुख एक जैसा है कि पाकिस्तान और किसी अन्य देश में एक साथ एशिया कप की मेजबानी करना तार्किक या वित्तीय रूप से संभव नहीं है। ऐसे में इसे किसी एक देश यानी श्रीलंका में आयोजित किया जाना चाहिए क्योंकि भारत पाकिस्तान की यात्रा नहीं कर सकता है।

सिनेमा

आदिपुरुष : हर सिनेमा हॉल में 'हनुमान जी' के लिए रिजर्व रहेगी 1 सीट, मेकर्स का ऐलान

प्रभास फैंस के लिए जून का महीना काफी खास होने वाला है. एक्टर की मूवी आदिपुरुष लंबे इंतजार के बाद 16 जून को रिलीज होगी. मूवी का प्रमोशन शुरू हो चुका है. रामायण की कहानी पर बेस्ड आदिपुरुष की रिलीज से पहले मेकर्स ने बड़ी अनाउंसमेंट की है. वो क्या है, चलिए जानते हैं.

मेकर्स ने फैसला किया है फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान हर थियेटर में एक सीट खाली रहेगी. ये सीट भगवान हनुमान को डेडिकेट की जाएगी. ऐसा भगवान हनुमान के प्रति लोगों की आस्था का जश्न मनाने के मकसद से किया जाएगा. मेकर्स के बयान में लिखा है- जब भी रामायण का पाठ किया जाता है, वहां भगवान हनुमान प्रकट होते हैं. ये हमारा विश्वास है. इस आस्था का सम्मान करते हुए आदिपुरुष की हर स्क्रीनिंग के दौरान एक सीट बिना बेचे आरक्षित रखी जाएगी. राम के सबसे बड़े भक्त को सम्मान देने का इतिहास सुनें. इस महान कार्य की शुरुआत हमने अज्ञात तरीके से की. हम सभी को भगवान हनुमान की मौजूदगी में आदिपुरुष को बड़ी भव्यता के साथ देखना चाहिए. ओम राउत की फिल्म आदिपुरुष कई भाषाओं (तेलुगू, तमिल, हिंदी, मलयालम और कन्नड़) में रिलीज की जाएगी. मूवी को ओम राउत ने डायरेक्ट करने के साथ-साथ लिखा भी है. इसमें प्रभास राम के रोल में दिखेंगे. सीता मां का रोल कृति सेनन निभाएंगी. रावण बने हैं सैफ अली खान. हनुमान का किरदार मराठी एक्टर देवदत्त नागे निभा रहे हैं और लक्ष्मण के रोल में आपको सनी सिंह देखने को मिलेंगे.

दो पहिया वाहन में लगाई आग

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। बाणगंगा थाना क्षेत्र के महेश यादव नगर गली नंबर 6 में एक व्यक्ति के घर के बाहर खड़े दो पहिया वाहन बाइक में पास में रहने वाले एक युवक ने आग लगा दी, जिससे पूरी गाड़ी जल गई। घटना के बाद रहवासियों में आक्रोश देखा गया। वहीं पुलिस मामले में जांच कर रही है।

रोहिंग्या की शंका में हिंदूवादी पहुंचे मुक्तिधाम

● युवकों को थाने लेकर आई पुलिस, सभी निकले मजदूर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। एरोड्रम इलाके के मुक्तिधाम में रोहिंग्या समुदाय के लोग होने की आशंका में हिंदूवादी संगठन के लोगों ने हंगामा किया। वे जब मुक्तिधाम पहुंचे तो संदिग्ध लोगों ने कहा कि वे पश्चिम बंगाल से आए हैं। उन्हें यहां इंदौर के एक ठेकेदार ने बुलाया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की तो उनके सामान में से हथियार निकले। उनके पास आधार कार्ड भी नकली था।

मामला छोटा बांगड़दा मुक्तिधाम का है। यहां रात में पार्षद प्रतिनिधि नितिन धारकर को रहवासियों ने बताया था कि पिछले 20 दिनों से आधा दर्जन से ज्यादा बाहरी लोग मुक्तिधाम में अवैध रूप से रहे हैं। उनकी गतिविधियां भी संदिग्ध है। वे रोहिंग्या जैसे दिख रहे हैं।

धारकर के साथ मौके पर हिंदू जागरण मंच के अमित पाल, मोना व्यास, अविनाश पाल पहुंचे। उन्होंने पुलिस को भी जांच के लिए मौके पर बुलाया। संदिग्ध युवकों ने कहा कि वे नगर निगम के लिए काम कर रहे हैं। इस दौरान नगर निगम के अफसरों से बात की तो उन्होंने इस तरह के मजदूर लाने की बात से इंकार कर दिया।

पुलिस ने जब संदिग्धों के सामान की तलाशी ली तो उसमें से तलवार, हंसिए जैसे हथियार निकले। उनके पास मोजूद आधार कार्ड भी संदिग्ध दिखाई दिया। पुलिस ने कहा इसकी जांच करेंगे कि आधार कार्ड नकली तो नहीं है। यदि नकली होता है तो आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस सभी संदिग्धों को पूछताछ के लिए थाने ले गई। पुलिस को यह भी पता चला कि इन संदिग्धों को गजानंद देशमुख नाम के ठेकेदार ने मुक्तिधाम में रुकवाया था। रात में पुलिस ने ठेकेदार को भी कॉल किया। लेकिन उसने थाने आने से इंकार कर दिया। देर रात तक मुक्तिधाम ओर थाने पर हिंदूवादी जमा दिखे। देर रात पुलिस ने जांच के बाद सभी को छोड़ दिया।

मंदिर से दान पेटी चुराने वाले आरोपी पकड़ाए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। हीरानगर इलाके में इंदौर। मंदिर से दान पेटी चोरी करने वाले तीन बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्त में लिया है। आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि वे अपने महंगे शौक को पूरा करने के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देते हैं।

हीरा नगर थाने पर रविवार को रवि पिता गंगाराम यादव,जनकपुरी कालोनी ने बताया कि मेरे घर के पास भेरू बाबा व भोलेनाथ का मंदिर है। मेरे पास नगर निगम के सफाईकर्मी ने फोन किया कि मंदिर की दान पेटी स्वर्ण पैलेस गार्डन के पास पडी है, मैं सफाईकर्मी अमन को साथ लेकर स्वर्ण पैलेस गार्डन के सामने नीचे नाले के किनारे जाकर देखा तो दानपेटी टूटी होकर खाली पड़ी है। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी। थाना प्रभारी हीरानगर दिलीप पुरी ने बताया कि पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज चैक किए तो कुछ संदेहियों के फुटेज मिले। इसके आधार पर उनकी तलाश शुरु की गई। इसी दौरान गश्त करने के दौरान बीट के कांस्टेबल विश्वरत परिहार,शैलेन्द्र यादव एवं लोकेन्द्र सिंह को ये संदेही मिले। पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा भेरू बाबा एवं भोलेनाथ मंदिर से दान पेटी चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस आरोपी दादा उर्फ सौरभ इंदरकर,देवनगर, सूरज वर्मा,रूस्तम का बगीचा और शुभम उर्फ सौरभ सूर्यवंशी ,गौरी नगर का आपराधिक रेकार्ड चैक कर रही है। इनसे चोरी की अन्य वारदातों के बारे में भी पूछताछ की जा रही है।

पिस्टल चोर धराया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। देपालपुर पुलिस ने पिस्टल चोरी के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। गत दिनों साध्वी ऋतंभरा दीदी मां की श्रीराम कथा के निमित्त निकाली गई कलश यात्रा में रिटायर फौजी सत्यनारायण पिता बाबूलाल चौहान निवासी द्वारिकापुरी की पिस्टल चोरी हो गई थी। थाना प्रभारी दीपक राठौर की टीम आरोपी की तलाश के लिए सीसीटीवी फुटेज देखे गए, जिसके आधार पर जिला धार स्थित गांव बाघ, ग्राम टांडा ग्राम गंधवानी से बदमाश की तलाश शुरू की गई। इसी बीच मुखबिर की सूचना मिली कि एक व्यक्ति पिस्टल बैचने के लिये गांव राजगढ जिला धार में घूम रहा है। इस पर रोशन पिता नूर मोहम्मद मुंडा नि ग्राम गंधवानी जिला धार को घेराबंदी कर पकड़ा और उसके कब्जे से चोरी गई 0.32 बोर की पिस्टल कीमती करीब एक लाख रुपये की बरामद की।

नेता को थप्पड़ मारने वाला एएसआई सस्पेंड

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। महू थाने में पदस्थ एक एएसआई ने भजन संध्या की परमिशन लेने के लिए गए महू विधानसभा बाल कांग्रेस के अध्यक्ष को नशे की हालत में थप्पड़ जड़ दिया। एसपी ने शिकायत के बाद एएसआई को सस्पेंड कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार गुप्ता कालोनी निवासी महू विधानसभा बाल कांग्रेस अध्यक्ष कार्तिक शर्मा अपने साथियों के साथ महू थाने पहुंचा था। उसने थाने के अंदर कुर्सी पर बैठे एएसआई सुरेंद्र परमार को आवेदन देते हुए खाटू श्याम की भजन संध्या के लिए परमिशन की मांग की। पुलिसकर्मी ने उनकी बात नहीं सुनते हुए बहस करना शुरू कर दिया। दोनों के बीच तीखी बहस हुई उसी दौरान एएसअई ने कार्तिक शर्मा को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद माहौल गरमा गया। थाना प्रभारी महेंद्र सिंह भदौरिया ने बताया कि पुलिस अधीक्षक हितिका वासल ने संबंधित पुलिसकर्मी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उन्होंने बताया कि परमार डयूटी के दौरान नशे की हालत में था। उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी।

डॉक्टर और उसके दोस्त को पीटा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। कार सवारों ने एक डॉक्टर और उसके दोस्त की पिटाई कर दी। बताया जाता है कि कार में तेज म्यूजिक बजाने के चलते डॉक्टर और उसके दोस्त ने वॉल्यूम कम करने की बात को लेकर टोका था। इस मामले में पुलिस ने कार नंबर के आधार पर केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक मोहित शर्मा निवासी ए प्राइम सिटी अपने डॉक्टर दोस्त मयंक और नमन के साथ जैन नाश्ता भंडार बॉम्बे केमिस्ट के सामने गए थे। इस दौरान सुबह करीब साढ़े 5 बजे कार नंबर जीजे 15 सीके 2886 में सवार होकर तीन युवक वहां पहुंचे। जो कार में बहुत तेज आवाज में म्यूजिक बजा रहे थे। मोहित और उसके डॉक्टर साथी ने इस बात पर आपत्ति ली और कार में बैठे युवकों को आवाज कम करने के लिए कहा। तभी कार में सवार तीनों युवक नीचे उतरे और अपशब्द कहते हुए आरोपियों ने लात-घूसों और बेल्ट से पीटा। इसके बाद कार सवार आरोपी मौके से भाग गए। मोहित के मुताबिक उसका डॉक्टर दोस्त मयंक रतलाम में निजी अस्पताल में पदस्थ है। वह यहां इंदौर मिलने आया था। पुलिस के मुताबिक अभी कार सवार युवकों की जानकारी निकाली जा रही है। जल्द उनकी गिरफ्तारी की जाएगी।

घर में घुसकर हमला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। आपसी विवाद में आरोपियों ने एक परिवार को चाकू दिखाकर धमकाया और घर में घुसकर मारपीट कर दी। द्वारकापुरी पुलिस के मुताबिक फरियादी शिव भवानी पिता कालू भवानी निवासी श्री राम नगर की रिपोर्ट पर आरोपी दीपक बंजारा, आशीष बंजारा, विशाल बंजारा और सावन निवासी ऋषि पैलेस कॉलोनी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। फरियादी ने बताया कि आरोपी घर के बाहर खडे थे। मुझे व मेरे जीजा को देखकर गालियां देने लगे तो उन्हें गाली देने से मना किया तो चाकू दिखाकर धमकाया। फिर डंडे से हमला कर दिया। मैं घर में घुसा तो वे भी घर में घुस गए और हमारे साथ मारपीट की। मेरी बहन तारा, मां लक्ष्मी और पिता कालू ने बीच- बचाव किया तो उन्हें भी धमकाया और जाते-जाते बोले कि आज तो बच गए आइंदा यहां दिखे तो जान से खत्म कर देंगे।

DGR
Detective Group Report
सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

दैनिक समाचार पत्र/न्यूज़ पोर्टल/न्यूज़ चैनल
Daily Newspaper
www.dgr.co.in
Worldwide News portal
www.detectivegroupreport.com
Worldwide Youtube channel
https://youtube.com/c/DETECTIVEGROUPREPORT

समाचार, विज्ञापन और समूह से जुड़ने के लिए संपर्क करें
+91 91110 30505
Email-: dgrnewsnetwork@gmail.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं 406- इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ प्रबंध संपादक - महेन्द्र आर.पालीवाल, ■ समूह PRO - एल.एन. उग्र ■ फोन : 0731-2433667 ■*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।